विज्ञापनों पर खर्च की गई धनराशि।

@1699. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1991-92 के दौरान उनके मंत्रालय ने विज्ञापनों पर भाषा-वार कुल कितनी धनराशि खर्च की है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : वर्ष 1991-92 के दौरान, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा सरकारी विज्ञापनों पर किए गए खर्च का भाषा-वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

1991–92 के दौरान भाषा-वार विज्ञापनों पर सरकार द्वारा किए गए खर्च की धनराशि के ब्यौरे

भाषा	कुल धनराशि (रुपये में)
अंग्रेजी	8,82,84,356.00
हिन्दी	6,65,08,844.00
उर्दू	97,78,363.00
पंजाबी	60,73,918.00
मराठी	1,33,88,180.00
गुजराती	80,76,155.00
सिन्धी	5,18,244.00
असमी	17,68,736.00
बंगला	1,16,72,781.00
उड़िया	34,59,288.00
तमिल	66,73,358.00
तेलुगू	28,40,188.00
मलयालम	87,49,789.00
कन्नड़	32,46,885.00
संस्कृत	27,373.00
नेपाली	2,88,020.00
भिजो	82,570.00
खासी	36,248.00
कोंकणी	34,528.00

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 1046, 3 मार्च, 1993 से स्थानांतरित।

कृषि क्षेत्र के लिए शुल्क में वृद्धि

1700. **श्री सोमपाल :** क्या विद्युत मंत्री 23 फरवरी, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 156 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि और कृषकों पर बिजली की दरों में वृद्धि पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में कोई मूल्यांकन बिजली की दर में वृद्धि करने से पहले किया जाएगा ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) और (ख) कृषि मंत्रालय द्वारा एकत्र किए गए लागत संबंधी ब्यौरे की सहायता से किए गए विश्लेषण कार्य के आधार पर 50 पैसे प्रति किलोवाट आवर प्रस्तावित न्यूनतम कृषि टैरिफ का विभिन्न राज्यों में विभिन्न फसलों की कुल उत्पादन लागत पर केवल नाममात्र ही असर पड़ेगा।

नबीनगर बिहार के घिरसिण्डी ताप विद्युत केन्द्रों का चालू किया जाना।

1701. **श्रीमती कमला सिन्हा :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय ताप विद्युत परियोजना के अधीन बिहार में स्थापित किए जाने वाले विद्युत केन्द्रों के संबंध में केन्द्रीय सरकार के पास लंबित प्रस्तावों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या यह सच है कि बिहार के औरंगाबाद जिले में नबीनगर के घिरसिण्डी पहाड़ों पर राष्ट्रीय ताप विद्युत केन्द्रों की स्थापना के सम्बन्ध में वर्ष 1989 में मंजूरी दी गई थी; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?